Conversion of Howrah-Amta and Howrah-Sheakhala light Railway into Broad Gauge

108. SHRI DINEN BHATTACHARYYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the areas covered by Howrah-Amta and Howrah-Sheakhala formerly known as Martin Railway have been surveyed for changing the line into broad gauge; and

(b) if so, when will the work be undertaken and the likely expenditure thereon?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes.

(b) The work has already been approved through the Supplementary demands for grants in 1973-74. The details of participation of the State Government in the Capital Cost and operation of this line are under finalisation. The construction will be undertaken after this is finalised. The estimated cost for the project is about Rs. 13.5 crores.

Closure of sleeper foundries in West Bengal in mid-December, 1973

109. SHRI DINEN BHATTACHARYYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Railways did not place any orders for sleepers with the sleeper foundries, especially in West Bengal due to which many of the foundries had to completely close down in mid-December, 1973; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) On 12-11-1973, the Railway Board issued acceptance letters to 34 firms for the supply of Cast Iron Sleeper Plates and of these, 22 firms having their works located in West Bengal were offered a total quantity of 72,700 tonnes. So far only 8 West Bengal firms have agreed to supply 26,600 tonnes of Cast Iron Sleeper Plates.

(b) Does not arise.

इंडियन रेलवेज लोको मेकेनिकल स्टाफ एसोशिएशन का "वर्क टू रूल" (नियम अनुसार कार्य) का आह्वान

110. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि।

(क) क्या इंडियन रेलवे लोको मेकेनिकल स्टाफ एसोसिएशन के आह्वान पर लोको शेडों में कार्य करने वाले मेकेनिकल कर्मचारियों ने 25 नवम्बर, 1973 से 24 जनवरी, 1974 तक नियमानुसार कार्य करने का आन्दोलन चलाया था ;

(ख) यदि हा, तो उनकी मागे क्या थी;

(ग) क्या उक्त आन्दोलन की समाप्ति मत्री महोदय के हस्तक्षेप पर हुई ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी मांगों की पूर्ति के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में उप मत्री (श्री मोहम्मद शफी कुरेशी) : (क) जी हां । नियमानसार काम का आन्दोलन पूर्व और दक्षिण पूर्व रेलो के कछ शड अनुरक्षण कर्मचारियों द्वारा किया गया था।

(ख) उनकी मुख्य मांगे निम्नलिखित हैं :—

1. फैक्टरी अधिनियम को लोको शेडों पर लागू किया जाना चाहिये । इसके विपरीत फैक्टरी अधिनियम में यह शर्त है कि यह केवल वहां लागू होता है जहां कोई चीज निरन्तर निर्माण के प्रक्रम में हो और यह निश्चित रूप से अनुबद्ध है कि यह अधिनियम लोको रनिंग शेडों पर लागू नहीं होगा ।

2. 8 वर्षों के बाद अकुशल ग्रेड से अर्धकुशल ग्रेड में पदोन्नति । उनकी ड्यूटी की प्रकृति को देखते हुए। यह सम्भव नहीं है कि क्योंकि उन्हें अधिक अकुशल कार्य करना होता है :

(ग) जी नहीं । परन्तु मंत्री जी ने एक आम अपील की ।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

तेल उत्पादक देशों का सम्मेलन बुलाने के लिए रूस का प्रस्ताव

111. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रूस ने विश्व के तेल संकट का हल निकालने के लिये तेल उत्पादक देशों का सम्मेलन बुलाने का कोई प्रस्ताव रखा है ; और

(ख) यदि हां, तो उसकी मोटी बात क्या हैं और सरकार की इस बारे में क्या प्रतिक्रिया है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाह नवाज खां) : (क) और (ख). भारत सरकार को इस प्रकार के किसी प्रस्ताव की जानकारी नहीं है ?

विभिन्न राज्यों में कोयला चालित बिजली घर स्थापित करना

112. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विभिन्न राज्यों में छ बड़े-बड़े कोयला चालित बिजली घर स्थापित करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) उक्त योजना के कब तक क्रियान्वित होने की संभावना है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद). (क) से (ग). भारत सरकार ने विभिन्न प्रदेशों में कोयला क्षेत्रों में वृहद ताप विद्युत केन्द्र स्थलों के चयन के लिए एक समिति स्थापित की है । समिति ने विभिन्न स्थलों का दौरा किया है और इसके द्वारा शीघ्र ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संभावना है ।

उत्तरी बंगाल में डलखोला नामक स्थान पर तापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना

113. **श्री रामावतार शास्त्री** :

श्री प्रिय रंजन दास मुंशी :

क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पांचवीं पंचवर्षीय योजना काल में उत्तरी बंगाल के डलखोला नामक स्थान पर तापीय विद्युत केन्द्र स्थापित करने का निर्णय कर लिया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी मुख्य बातें क्या हैं ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) और (ख). उत्तरी बंगाल में डलखोला में में एक तापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना के प्रश्न पर राज्य सरकार विचार कर रही है :